

हिंदी ऑनलाइन कक्षा में आप सभी का स्वागत है।

कक्षा -6

हिन्दी

पाठ -4

नन्हे - मुन्हे प्यारे बच्चे

CHANGING YOUR TOMORROW

कवि परिचय

डॉ. परशुराम शुक्ल का जन्म 6 जून, 1947 को कानपुर में हुआ। इन्होंने एम०ए० तथा पीएच०डी० की उपाधि प्राप्त की है। शुक्ल जी सशक्त बाल-साहित्यकार के रूप में प्रसिद्धि पा चुके हैं। इनके लगभग 42 बाल-कविता संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं। इन्होंने बाल नाटक, कहानियाँ और दोहे भी लिखे हैं, जो बच्चों की मनोवैज्ञानिक स्थिति को प्रधानता से प्रस्तुत करते हैं। ये एक सहृदयी, कोमल भावना के कवि हैं।



पाठ प्रवेश-

आज के बच्चे कल के नागरिक हैं।उन्हीं पर देश का भविष्य निर्भर करता है।वे देश के निर्माता और भाग्य विधाता हैं।

संबंधित प्रश्न-

- 1.आज के बच्चे कलके क्या है?
- 2.किस पर दे का भविष्य निर्भर करता है?
- 3.कौन देश निर्माता होते हैं?
- 4.किसको भाग्य विधाता कहा गया है?

सामान्य उद्देश्य-

छात्रों को एक अच्छे नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना ।

विशिष्ट उद्देश्य-

भारत के भविष्य के निर्माण में छात्रों को उनके दायित्व के बारे में जानकारि देना।

THANKING YOU
ODM EDUCATIONAL GROUP

